Language Code : **16**

इस पुस्तिका में **16** मुद्रित पृष्ठ हैं।
This booklet contains **16** Printed pages.

SED-24-II

प्रश्न-पत्र-II / PAPER-II
संस्कृत भाषा परिशिष्ट
Sanskrit Language Supplement
भाग-IV & V / PART-IV & V

मुख्य परीक्षा पुस्तिका संख्या / Main Test Booklet No.

मुख्य परीक्षा पुस्तिका कोड / Main Test Booklet Code

D

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।
Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.
इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ 15 व 16) पर दिए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page 15 & 16) of this Test Booklet.

संस्कृत में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका का पृष्ठ 2 देखें। / FOR INSTRUCTIONS IN SANSKRIT SEE PAGE 2 OF THIS BOOKLET.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो **या** तो भाग IV (भाषा I) **या** भाग V (भाषा II) **संस्कृत** भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन **दोनों नहीं**।
2. परीक्षार्थी भाग I एवं भाग II **या** III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से।
3. अंग्रेज़ी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग IV व भाग V के अन्तर्गत दिए गए हैं। भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं OMR उत्तर पत्र पर निशान लगाने के लिए **केवल काले/नीले बॉल पॉइंट पेन** का प्रयोग करें।
5. इस भाषा पुस्तिका का **संकेत** है **D**। यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट पुस्तिका का संकेत, OMR उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है। अगर यह भिन्न हो, तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में **दो** भाग IV और V हैं, जिनमें **60** वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जो प्रत्येक 1 अंक का है :
   भाग-IV : भाषा-I (संस्कृत) (प्र. 91 से प्र. 120)
   भाग-V : भाषा-II (संस्कृत) (प्र. 121 से प्र. 150)
7. भाग-IV में भाषा-I के लिए 30 प्रश्न और भाग-V में भाषा-II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं। इस परीक्षा पुस्तिका में केवल संस्कृत भाषा से संबंधित प्रश्न दिए गए हैं। **यदि भाषा-I और/या भाषा-II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) संस्कृत के अलावा है तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लीजिए। जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए।**
8. **परीक्षार्थी भाग-V (भाषा-II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा-I (भाग-IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो।**
9. रफ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर पत्र पर ही अंकित करें। अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें। उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. This booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer **EITHER** Part IV (Language I) **OR** Part V (Language II) in **SANSKRIT** language, but **NOT BOTH**.
2. Candidates are required to answer Part I and Part II **OR** III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part IV and Part V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use **Black/Blue Ball Point Pen only** for writing particulars on this page/marking responses in the OMR Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is **D**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the OMR Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Test Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has **two** Parts, IV and V, consisting of **60** Objective Type Questions, each carrying 1 mark :
   Part-IV : Language-I (Sanskrit) (Q. 91 to Q. 120)
   Part-V : Language-II (Sanskrit) (Q. 121 to Q. 150)
7. Part-IV contains 30 questions for Language-I and Part-V contains 30 questions for Language-II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Sanskrit language have been given. **In case the language/s you have opted for as Language-I and/or Language-II is a Language other than Sanskrit, please ask for a Test Booklet that contains questions on that language. The language being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.**
8. **Candidates are required to attempt questions in Part-V (Language-II) in a language other than the one chosen as Language-I (in Part-IV) from the list of languages.**
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) : ____________________
Name of the Candidate (in Capitals) :

अनुक्रमांक : (अंकों में) / Roll Number : in figures ____________________
: शब्दों में / in words ____________________

परीक्षा केन्द्र (बड़े अक्षरों में) : ____________________
Centre of Examination (in Capitals) :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : ____________________ निरीक्षक के हस्ताक्षर : ____________________
Candidate's Signature : Invigilator's Signature :

Facsimile Signature Stamp of
Centre Superintendent : ____________________

Language Code : **16**

अस्यां पुस्तिकायां **16** पृष्ठानि सन्ति।

SED-24-II

प्रश्नपत्रम् II

संस्कृत-भाषा-परिशिष्टम्

भागः IV च V

परीक्षा-पुस्तिका-संकेतकम्

D

यावन्न कथ्येत तावत् इयं परीक्षा-पुस्तिका न अनावरणीया।

अस्याः परीक्षा-पुस्तिकायाः पृष्ठावरणयोः (पृष्ठे 15 एवं 16) प्रदत्ताः निर्देशाः ध्यानपूर्वकं पठनीयाः।

परीक्षार्थिभ्यो निर्देशाः

1. इयं पुस्तिका मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायाः एकं परिशिष्टम् तेभ्यः परीक्षार्थिभ्यः अस्ति ये IV (भाषा I) भागस्य **अथवा** V (भाषा II) भागस्य परीक्षां **संस्कृत**भाषया दातुमिच्छन्ति, **न** तु **द्वयोः भागयोः**।
2. परीक्षार्थिभिः I, II, III भागानाम् उत्तराणि मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकातः देयानि अपि च IV तथा V भागानाम् उत्तराणि तैः चिताभिः भाषाभिः।
3. आंग्लभाषायां हिन्दीभाषायां च प्रश्नाः मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायां IV भागे तथा V भागे च प्रदत्ताः। भाषा-परिशिष्टानि भवद्भिः पृथक्तया याचितुं शक्यन्ते।
4. अस्मिन्पृष्ठे च विवरणम् अङ्कयितुम् OMR उत्तरपत्रे च चिह्नं अङ्कयितुं **केवलं नील (Blue/Black)-बाल-पाइन्ट-लेखन्याः** प्रयोगः अनुमतः।
5. अस्याः भाषा-पुस्तिकायाः संकेतकं **D** वर्तते। एतच्च निश्चेतव्यं यदस्याः भाषा-परिशिष्ट-पुस्तिकायाः संकेतकम् OMR उत्तरपत्रस्य **पृष्ठ-2** उपरि प्रकाशितेन संकेतेन साम्यं भजति। एतदपि निश्चेतव्यं यत् मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकासंख्या उत्तरपत्रसंख्या च परस्परं साम्यं भजेते। यदि चात्र किमपि अन्तरमस्ति तदा छात्रेण निरीक्षकमहाभागः सम्प्रार्थनीयः यत्स द्वितीयाम् भाषा-परिशिष्ट-परीक्षापुस्तिकाम् ददातु इति।
6. अस्यां परीक्षापुस्तिकायाम् **द्वौ** भागौ स्तः - IV तथा V, एतेषु **60** वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः सन्ति, प्रत्येकं च एकमङ्कं धारयति :

   भागः IV : भाषा I - (संस्कृत) *(प्रश्न संख्या 91 तः 120 पर्यन्तम्)*

   भागः V : भाषा II - (संस्कृत) *(प्रश्न संख्या 121 तः 150 पर्यन्तम्)*
7. **IV** भाषा I भागे 30 प्रश्नाः, V भाषा II भागे च 30 प्रश्नाः सन्ति। अस्यां च परीक्षापुस्तिकायाम् केवलम् संस्कृतभाषया सम्बद्धाः प्रश्नाः सन्ति। **यदि भाषा I उत वा भाषा II इत्येतयोः भवता संस्कृत-अतिरिक्ते भाषे चिते, तदा तद्भाषासम्बद्धा परीक्षापुस्तिका याचनीया। यस्याः अपि भाषायाः प्रश्नानाम् उत्तराणि भवता प्रदीयन्ते, सा भाषा नूनम् आवेदनपत्रे अभीष्टभाषाभिः सह संवदेत्।**
8. **परीक्षार्थिभिः भागः V (भाषा II) कृते, भाषातालिकातः सा भाषा चयनीया या तैः भाषा I (भागे IV) चितायाः अभीष्टभाषातः भिन्ना स्यात्।**
9. रफ़-कार्यं परीक्षापुस्तिकायाम् एतत्प्रयोजनार्थं निर्धारितस्थाने एव कार्यम्।
10. सर्वाणि उत्तराणि OMR उत्तरपुस्तिकायामेव अङ्कनीयानि। सावधानमनसा चैतद् अङ्कनीयम्। उत्तरे परिवर्तनार्थं श्वेत-रञ्जकस्य प्रयोगो निषिद्धः।

परीक्षार्थिनः नाम : ______________________

अनुक्रमाङ्कः : अङ्केषु : ______________________

: शब्देषु : ______________________

परीक्षाकेन्द्रम् : ______________________

परीक्षार्थिनः हस्ताक्षरम् : ______________ निरीक्षकस्य हस्ताक्षरम् : ______________

Facsimile signature stamp of
Centre Superintendent ______________________

अभ्यर्थिनः **चतुर्थभागस्य Part-IV** प्रश्नानाम् (**प्र.सं. 91-120**) उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं प्रथमभाषा Language-I** रूपेण चितम्।

Candidates should attempt the questions from **Part-IV (Q.No. 91-120)**, if they have opted **SANSKRIT** as **Language-I** only.

PART–IV

LANGUAGE–I

SANSKRIT

अभ्यर्थिनः **चतुर्थभागस्य (Part-IV)** प्रश्नानाम् **(प्र.सं. 91-120)** उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं प्रथमभाषा (Language-I)** रूपेण चितम्।

अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारित प्रश्नानां (91-99) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत।

अस्ति कस्मिंश्चिज्जलाशये कम्बुग्रीवो नाम कच्छपः। तस्य च सङ्कटविकटनाम्नी मित्रे हंसजातीये परमस्नेह कोटिमाश्रिते, नित्यमेव सरस्तीरमासाद्य तेन सहानेकदेवर्षि महर्षीणां कथाः कृत्वास्तमनवेलायां स्वनीडसंश्रयं कुरुतः। अथ गच्छता कालेन अनावृष्टिवशात् सरः शनैः शनैः शोषमगमत्। ततः तद्दुःखदुखितौ तावूचतुः – ''भो मित्र! जम्बालशेषमेतत्सरः सञ्जातं, तत्कथं भवान् भविष्यतीति व्याकुलत्वं नो हृदि वर्तते।''

तच्छ्रुत्वा कम्बुग्रीव आह– भो साम्प्रतं नास्त्यस्माकं जीवितव्यं जलाभावात्। तथाप्युपायः चिन्त्यतामिति। तदानीयतां काचिद् दृढ़रज्जुर्लघु – काष्ठं वा। अन्विष्यतां च प्रभूतजलसनाथं सरः, येन मया मध्यप्रदेशे दन्तैर्गृहीते सति युवां कोटि भागयोस्तत्काष्ठं मया सहितं संग्रह्य तत्खरो नयथः।

तौ उचतुः – भो मित्र! एवं करिष्यावः। परं भवता मौनव्रतेन स्थातव्यम्, नो चेत् तव काष्ठात् पातो भविष्यति। तथानुष्ठिते, गच्छता, कम्बुग्रीवेणाधोभागे व्यवस्थितं किञ्चित् पुरमालोकितम्। तत्र ये पौरास्ते तथा नीयमानं विलोक्य सविस्मयमिदम् ऊचुः – अहो चक्राकारं किमपि पक्षिभ्यां नीयते, पश्यत! पश्यत! अथ तेषां कोलाहलमाकर्ण्य कम्बुग्रीव आह – भोः किमेष कोलाहलः? इति वक्तुमना अर्धोक्त एव पतितः पौरैः खण्डशः कृतश्च।

91. पक्षिवासार्थे प्रयुक्तं पदं चित्वा लिखत।
(1) आश्रमः (2) गृहम् (3) कुटीरः (4) नीडः

92. 'आसाद्य' इति पदे प्रयुक्त कृदन्त प्रत्ययं चित्वा लिखत।
(1) तुमुन् प्रत्ययः (2) ल्यप् प्रत्ययः (3) क्त प्रत्ययः (4) क्तवतु प्रत्ययः

93. सङ्कटनाम्नः कोऽसीत्?
(1) हंसः (2) कच्छपः (3) वानरः (4) काकः

94. 'हृदि' इति पदे का विभक्तिः प्रयुक्ता?
(1) द्वितीया (2) प्रथमा (3) तृतीया (4) सप्तमी

95. कच्छपः किं आनेतुं कथितवान्?
(1) रजतखण्डम् (2) लघुकाष्ठं (3) दीर्घकाष्ठं (4) पाषाणखण्डम्

96. कम्बुग्रीवेण अधोभागे किं आलोकितम्?
(1) उद्यानम् (2) ग्रामम् (3) पुरम् (4) वनम्

97. 'ऊचुः' इति क्रियापदस्य धातुनिर्देशं कुरुत।
(1) पठ् (2) ब्रू (3) वन्द् (4) कथ्

98. सरः कस्मात् शोषमगमत्?
(1) पापवशात् (2) वृष्टिवशात् (3) अनावृष्टिवशात् (4) शापवशात्

99. कच्छपस्य नाम किमासीत् ?

(1) कम्बुग्रीव: (2) चिरग्रीव: (3) घटग्रीव: (4) सुग्रीव:

अधोलिखितान् श्लोकान् पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां (100-105) विकल्पात्मकोत्तरेभ्य: उत्तरं चित्वा लिखत।

गुणवत्तरपात्रेण छाद्यन्ते गुणिनां गुणा:।
रात्रौ दीपाशिखाकान्तिर्न भानावुदिते सति।। (1)
ना भक्ष्यं भक्षयेत्प्राज्ञ: प्राणै: कण्ठगतैरपि।
विशेषान्तदपि स्तोकं लोकद्वयविनाशिकम्।। (2)
बहूनामप्यसाराणां समवायो हि दुर्जय:।
तृणैरावेष्ट्यते रज्जुर्येन नागोऽपि बद्धय्ते।। (3)
त्यजेदेकं कुलस्यार्थे ग्रामस्यार्थे कुलं त्यजेत्।
ग्रामं जनपदस्यार्थे आत्मार्थे पृथिवीं त्यजेत्।। (4)
उपदेशो हि मूर्खाणां प्रकोपाय न शान्तये।
पय: पानं भुजङ्गानां केवलं विषवर्धनम्।। (5)
मातृवत्परदाराणि परद्रव्याणि लोष्ठवत्।
आत्मवत्सर्वभूतानि वीक्ष्यन्ते धर्मबुद्धय:।। (6)

100. धर्मबुद्धय: परद्रव्याणि कथं वीक्ष्यन्ते ?

(1) आत्मवत् (2) रत्नवत् (3) अमृतवत् (4) लोष्ठवत्

101. किं दुर्जय: भवति ?

(1) बहु–मूर्खाणां समवाय: (2) बहु–साराणां समवाय:
(3) बहु–ज्ञानानां समवाय: (4) बहु–असाराणां समवाय:

102. मूर्खाणां उपदेश: किं जनयति ?

(1) ज्ञानम् (2) कोप: (3) सुखम् (4) दु:खम्

103. कस्यार्थे पृथिवीं त्यजेत् ?

(1) कुलस्यार्थे (2) धनस्यार्थे (3) आत्मार्थे (4) मित्रस्यार्थे

104. क: कथमपि अभक्ष्यं न भक्षयति ?

(1) प्राज्ञ: (2) मूर्ख: (3) राजा (4) सज्जन:

105. गुणिनां गुणा: केन छाद्यन्ते ?

(1) विदुषा (2) गुणवत्तरेण (3) मूर्खेण (4) राज्ञा

106. सामग्रीणां प्रामाणिकताया: क: आशय: ?

(1) बालकै: गृहात् आनीता सामग्री
(2) कक्षाकृते अध्यापकेन लिखिता सामग्री
(3) प्राधिकारिजनै: विकसिता, लिखिता सामग्री
(4) यथार्थलोक–वस्तु–अधिकृत्य विकसिता लिखिता सामग्री

107. पञ्चमकक्षाया: विद्यार्थी, अपर्णा जानाति यत् श्रवणान्तरे वाच: श्रव्यस्य व अर्थं अवगन्तुं ध्वनि-पद-वाक्यविशेयस्य श्रवणं सन्निविष्टं भवति। सा श्रवण-अधिगमहेतो: किं प्रविधिं स्वीकरोति?

(1) न खलु अधोगामि उपागम: न उपरिगामि उपागम:

(2) अधोगामि-उपागम: (Top-down approach)

(3) उपरिगामि उपागम: (Bottom-up approach)

(4) उभौ अधोगामि-उपरिगामि-उपागमौ

108. भाषा अधिगमे, तन्त्रबद्ध सामर्थ्य (Systemic Competence) किं कथ्यते?

(1) सर्वमानवेषु बहुभाषाणां व्यवस्था: प्राप्यन्ते।

(2) भाषा एकं तन्त्रवत् वर्तते इति अवबोध:, व्यवहारश्च।

(3) भाषायां व्याकरण-व्यवस्था भवति इति अवबोध: व्यवहारश्च।

(4) सर्वभाषासु एका समानसंरचना व्यवस्था प्राप्यते इति अवबोध:।

109. अत्र एक: पाठ: उदाहृत:। अनेन पाठेन का भाषा पर्युक्ति: (Language register) सम्बद्धा?
भारतीय-संविधान-अनुसारेण प्रत्येकं व्यक्ति: समान: अस्ति। अस्य आशय: भवेत् यत् देशे प्रत्येकं व्यक्ति: नर: वा नारी वा, सर्वजाति-धर्म-जनजाति-विविध शैक्षिक-आर्थिक-पृष्ठभूमिसम्बद्ध: समान: एव मन्यते। नैतस्य अभिप्राय: यत् असमानता समाप्ता जाता, नैवम्। तदपि लोकतान्त्रिक भारते सर्वजनानां समानताया: सिद्धान्त: स्वीक्रियते।

(1) वैज्ञानिक-पर्युक्ति (Scientific Register)

(2) राजनीतिक-पर्युक्ति (Politic Register)

(3) समाज-विज्ञान-पर्युक्ति (Social Science Register)

(4) विधिक-पर्युक्ति (Legal Register)

110. षष्ठकक्षाया: एका शिक्षिका स्वछात्रान् तेभ्य: पठिष्यमाणपाठं तेषां पूर्वज्ञान-अनुभवाभ्यां सह संयोजयितुं कथयति। सा स्वपाठं पाठयितुं पूर्वमपि पाठे विद्यमानानि चित्राणि अवलोकयितुं कथयति। सा स्वछात्रै: किं कर्तुम् इच्छति?

(1) चित्राणां अवबोधने साहाय्यं प्रयच्छति (2) चित्रमाध्यमेन कथाया: प्रत्यक्षीकरणम्

(3) चित्राणां प्रशंसनम् (4) पठ्यमानपाठमुद्दिश्य पूर्वानुमानकरणम्

111. छात्रै: सम्पादित-अधिगम-उदाहरणानां सतत्-संसूचनम् (Continuous record) किं कथ्यते?

(1) नैदानिक-परीक्षणम् (Diagnostic test)

(2) पत्राधानम् (Portfolio)

(3) सतत्-अवबोध्य-आकलनम् (Continuous Comprehensive Assessment)

(4) दक्षता-आकलनम् (Proficiency Assessment)

112. अधोलिखितेषु किं ग्रहण-कौशलानि (Receptive Skills) इति ज्ञायते?

(1) श्रवणं, पठनं च (2) श्रवणं, लेखनं च (3) पठनं, संभाषणं च (4) संभाषणं, लेखनं च

113. सेवायोजनाय विदेशान् गन्तुकामा: बहव: भारतीया: तद्देशानां भाषा: शिक्षन्ते। भाषा शिक्षणस्य इयं उत्प्रेरणा का कथ्यते?

(1) न खलु समेकिता-उत्प्रेरणा, न करणमूला-उत्प्रेरणा

(2) समेकितां (Integrative) करणमूला (instrumental) च उत्प्रेरणा

(3) समेकिता-उत्प्रेरणा

(4) करणमूला-उत्प्रेरणा

114. अधोलिखितेषु का भाषा श्रेण्यभाषा (Classical Language) नास्ति ?

(1) हिन्दीभाषा (2) तमिलभाषा (3) संस्कृतभाषा (4) तेलुगुभाषा

115. वैदेशिक-भाषाध्ययनमधिकृत्य राष्ट्रीय-शिक्षा-नीति 2020 विषये अधोलिखितेषु किं सत्यं न अस्ति ?

(1) अतिरिक्त विकल्परूपेण फ्रेन्चभाषाया: गणना अनुशंसितभाषाणां मध्ये भवति।

(2) द्वितीयअवस्थायां (Secondary Stage) अतिरिक्तविकल्परूपेण वैदेशिकभाषाणां अध्ययनम्।

(3) त्रिभाषासूत्रमध्ये एका भाषा इति वैदेशिकभाषाणां अध्ययनम्।

(4) त्रिभाषासूत्रमध्ये अधीतभाषासु काऽपि वैदेशिकभाषा सन्निविष्टा नास्ति।

116. अधोलिखितेषु किं 'भाषामुद्दिश्य ज्ञानक्रियां' संकेतयति ?

(1) प्रविधिगतसामर्थ्यम् (Strategic competence)

(2) निर्णयात्मकं ज्ञानम् (Declarative Knowledge)

(3) प्रक्रियात्मकं ज्ञानम् (Procedural Knowledge)

(4) व्याकरणात्मकं ज्ञानम्

117. षष्ठकक्षाया: एक: अध्यापक: सम्भाषण-गतिविधिदृष्ट्या अधोलिखितं कार्यम् आयोजयति –
मरुस्थलं तद्जलवायुस्थितीन् च उद्दिश्य पञ्चवाक्यानि वदतु। किमियं कार्यं समीचीनं वा असमीचीनम् ?
विकल्पेषु स्वमतं चिनुत, कारणं च प्रयच्छत –

(1) इदं तु असमीचीनं कार्यं यतोहि अस्मिन् सन्दर्भाभाव: दृश्यते यत: मरुस्थलमुद्दिश्य संभाषणाय निविष्टीनां अभाव: प्राप्यते।

(2) इदं एकं समीचीनं कार्यं यतो हि छात्रै: पूर्वमेव स्वभूगोलकक्षायां मरुस्थल-विषये अधीतम् अत: ते एतस्मिन् विषये लेखितुं शक्नुयु:

(3) इदं समीचीनं कार्यं यतो हि इदं छात्रान् किंचित विषयमुद्दिश्य यथा मरुस्थलं, वक्तुं प्रवर्तते।

(4) इदं तु असमीचीनं कार्यं यतोहि केचिद् छात्रा: मरुस्थलविषये न अधीतवन्त:।

118. कस्याश्चिद् भाषाया: उपभाषा (Dialect) विषये अधोलिखितेषु किं सत्यम् ?

(1) एकभाषाया: विभिन्ना: सामाजिक-समूहा: भिन्ना: उपभाषा: वक्तुं शक्नुयु:।

(2) उपभाषायां क्षेत्रगतभिन्नता प्राप्यते।

(3) एकस्या: भाषाया: विभिन्न-उपभाषाणां भाषिण: अपरउपभाषाभाषिणं सञ्जानीते।

(4) उपभाषा एक: महत्तर: कोटि: भाषा तु एक: लघुतर: कोटि:।

119. अधोलिखितेषु किं समेकित-अधिगम-कौशलानि संवर्धयति ?

(1) आलेख-लेखनम् (Writing an article) (2) पात्राभिनय: (Role-Play)

(3) प्रदत्तकार्यम् (Assignment) (4) परियोजना-कार्यम् (Project work)

120. सन्दर्भ-व्याकरणशिक्षण-क्रमे (Context grammar teaching) अधोलिखिता: पद्धतय: किं कथ्यन्ते ?
सन्दर्भेषु भाषा-सामग्र्या: परिचय: छात्रेषु भाषासामग्री: प्रति अवधानता-जननं, तेषु वास्तविक-जीवन-सन्दर्भे प्रयोगाय सामर्थ्य-निर्माणं, अन्वेषणपूर्वकं रूपं प्रति छात्राणाम् अवधानाकर्षणम्।

(1) चैतन्य-उद्बोधनम् (Consciousness raising)

(2) रूपरेखा-निर्माणम् (Creating a Schema)

(3) निर्गमनात्मक-विधि: (Deductive method)

(4) अन्वेषणात्मक-प्रविधि: (Discovery method)

अभ्यर्थिनः **पञ्चमभागस्य Part-V** प्रश्नानाम् **(प्र.सं. 121-150)** उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं द्वितीयभाषा Language-II** रूपेण चितम्।

Candidates should attempt the questions from **Part-V (Q.No. 121-150)**, if they have opted **SANSKRIT** as **Language-II** only. →

PART-V

LANGUAGE-II

SANSKRIT

अभ्यर्थिन: **पञ्चमभागस्य (Part-V)** प्रश्नानाम् **(प्र.सं. 121-150)** उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं द्वितीयभाषा (Language-II)** रूपेण चितम्।

अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारित प्रश्नानां (121-128) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत।

अस्ति कस्यचिन्महीपतेः कस्मिश्चित्स्थाने मनोरमं शयनस्थानम्। तत्र शुक्लतरपटयुगलमध्यसंस्थिता मन्दविसर्पिणी नाम श्वेता यूका प्रतिवसति स्म। सा च तस्य महीपते रक्तमास्वादयन्ती सुखेन कालं नयमाना तिष्ठति। अन्येद्युश्च तत्र शयने क्वचिद् भ्राम्यन् अग्निमुखो नाम मत्कुणः समायातः। अथ तं दृष्ट्वा सा विषण्णवदना प्रोवाच – ''भो अग्निमुख! कुतस्त्वमत्रानुचितस्थाने समायातः? तद्यावद् न कश्चिद् पश्यति, तावच्छीघ्रं गम्यताभ्'' इति। स आह – ''भगवति! गृहागतस्य असाधोरपि नैतद्युज्यते वक्तुम्। अपरं मयाऽनेक मानुषाणां अनेकविधानि रुधिराण्यास्वादितानि आहारदोषात् कटुतिक्तकषायाऽम्लरसास्वादानि। न च मया कदाचितम् धुरक्तं समास्वादितम्। तद्यदि त्वं प्रसादं करोषि, तदस्य नृपतेः विविधव्यञ्जनान्ज पानचोष्यलेह्यस्वादाहारवशात् शरीरे यन्मिष्टं रक्तं सञ्जातं, तदास्वादनेन सौख्यं संपादयामि जिह्वायाः'' इति तच्छ्रुत्वा मन्दविसर्पिणी आह, ''भो मत्कुण! अहमस्य नृपतेर्निद्रावशं गतस्य रक्तम् आस्वादयामि। पुनः त्वम् अग्निमुखः चपलश्च। तद्यदि मया सह रक्तपानं करोषि, तत्तिष्ठ, अभीष्टतरं रक्तमास्वादय, सोऽब्रवीत– ''भगवति! एवं करिष्यामि। यावच्चं नास्वादयसि प्रथमं नृपरक्तं, तावन्मम देवगुरुकृतः शपथः स्यात् यदि तदास्वादयामि।''

एवं तयोः परस्परं वदतोः, स राजा तच्छयनमासाद्य प्रसुप्तः। अथाऽसौ मत्कुणः जिह्वालौल्यात् जाग्रतमपि तं महीपतिम् अदशत्।

अथाऽसौ महीपतिः सूच्यग्रविद्ध इव तच्छयनं त्यक्त्वा तत्क्षणादेवोत्थितः, प्राह च, अहो, ज्ञायतामत्र प्रच्छादनपटे मत्कुणो यूका वा नूनं तिष्ठति, येनाहं दष्टः''। इति। अथ ये कञ्चुकिनः तत्र स्थिताः ते सत्वरं प्रच्छादनपटं गृहीत्वा सूक्ष्मदृष्ट्या वीक्षाचक्रुः। अत्रान्तरे स मत्कुणः चापल्यात खट्वान्तं प्रविष्टः। सा मन्दविसर्पिण्यपि वस्त्रसंन्ध्यन्तर्गता तैर्दृष्टा, व्यापादिता च।

121. यूकायाः नाम किमासीत्?

(1) श्वेता (2) तीव्रविसर्पिणी (3) अचिरविसर्पिणी (4) मन्दविसर्पिणी

122. मत्कुणस्य नाम किमासीत्?

(1) ताम्रमुखः (2) सुवर्णमुखः (3) अग्निमुखः (4) रजतमुखः

123. मत्कुणः कं अदशत्?

(1) कृषकम् (2) शिशुम् (3) राजपुत्रम् (4) महीपतिम्

124. 'हता' इत्यस्य समानार्थकं पदं चित्वा लिखत।

(1) मर्षिता (2) व्यापादिता (3) कुपिता (4) भग्ना

125. यूका कुत्र प्रतिवसति स्म?

(1) पट युगले (2) घटयुगले (3) सूत्रयुगले (4) कटे

126. 'नृपते:' इति पदे का विभक्ति: ?

(1) प्रथमा (2) षष्ठी (3) द्वितीया (4) सप्तमी

127. 'भ्राम्यन्' इति पदे प्रयुक्त कृदन्तप्रत्ययं चित्वा लिखत।

(1) शतृ (2) क्त्वा (3) तुमुन् (4) शानच्

128. 'दृष्टवन्त:' इति अर्थे प्रयुक्तं क्रियापदं चित्वा लिखत।

(1) वीक्षाचकार (2) गतवन्त: (3) हसितवन्त: (4) वीक्षाचक्रु:

अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारित प्रश्नानां (129-135) विकल्पात्मकोत्तरेभ्य: उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत।

कश्चिद् गोमायु: नाम शृगाल: क्षुत्क्षामकण्ठ इतस्तत: आहारक्रियार्थं परिभ्रमन् वने सैन्यद्वयसङ्ग्रामभूमिम् अपश्यत। तस्यां च दुन्दुभे: पतितस्य वायुवशाद् वल्लीशाखागृहैर्न्य मानस्य शब्दम् अशृणोत्।

अथ क्षुभितहृदय: चिन्तयामास – अहो, विनष्टोऽस्मि तद्यावन्नास्य प्रोच्चारितशब्दस्य दृष्टिगोचरं गच्छामि तावदन्यतो व्रजामि। अथवा नैतद्युज्यते सहसैव। तत् तावज्जानामि कस्थायं शब्द:। इत्थं धैर्यमालष्य विमर्शयन यावन्मन्दं-मन्दं गच्छति तावद दुन्दुभिम् अपश्यत्। स च तं परिज्ञाय समीपं गत्वा स्वयमेव कौतुकादताडयत्। भूयश्च हर्षादचिन्तयत् – अहो! चिरादेतदस्माकं महद् भोजन-मायतितम्। तन्नूनं प्रभूतमांसमेदाऽसृग्भि: परिपूरितं भविष्यति।

तत: परुषचर्मावगुष्ठितं तत्कथमपि विदार्य एकदेशे छिद्रं कृत्वा संहृष्टमना मध्ये प्रविष्ट:। परं चर्मविदारणतो दंष्ट्राभङ्ग: समजनि। अथ निराशीभूत: तद् दारुशेषमवलोक्य श्लोकमेनमपठत् – पूर्वमेव मया ज्ञात पूर्णमेतद्धि मेदसा अनुप्रविश्य विज्ञातं यावच्चर्मच दारु च।

129. 'परिभ्रमन्' इति पदे प्रयुक्तकृदन्तप्रत्ययं चित्वा लिखत।

(1) क्त (2) क्त्वा (3) ल्यप् (4) शतृ

130. शृगालस्य कस्मात् दंष्ट्राभङ्ग: सञ्जात: ?

(1) चर्मविदारणत: (2) सुवर्णविदारणत: (3) काष्ठविदारणत: (4) वृक्षविदारणत:

131. शृगाल: वने परिभ्रमन् किं अपश्यत् ?

(1) राजपुरुषम् (2) रङ्गभूमिम् (3) सङ्ग्रामभूमिम् (4) राजभवनम्

132. 'दुन्दुभे:' इति पदे का विभक्ति: ?

(1) सप्तमी (2) पञ्चमी (3) प्रथमा (4) द्वितीया

133. शृगाल: कस्य शब्दं अशृणोत् ?

(1) असिकृतं शब्दं (2) दुन्दुभिकृतं शब्दं (3) वीणाकृतं शब्दं (4) तूष्ठीरकृतं शब्दं

134. शृगालस्य नाम किमासीत् ?

(1) लक्षायुः (2) दीर्घायुः (3) शतायुः (4) गोमायुः

135. 'कठोरः' इत्यस्य समानार्थकं पदं चित्वां लिखत।

(1) गुरुः (2) परुषः (3) वक्रः (4) अनम्यः

136. अश्विनः जन्मतः ओडियाभाषां जानाति। सः आङ्गलहिन्दी भाषे पठति। एतदाधृत्य अधोलिखितेषु असमीचीनं कथनं चिनुत –

(1) तस्य आङ्गलभाषा-अधिगमः भाषा-अधिग्रहणम् अस्ति।

(2) तस्य ओडिया-अधिगमः भाषा-अधिग्रहणम् अस्ति (Language acquisition)।

(3) तस्य हिन्दी अधिगमः भाषा-अधिगमः अस्ति।

(4) तस्य आङ्गलभाषा-अधिगमः भाषा-अधिगमः अस्ति।

137. करणभूत-उत्प्रेरणा (Instrumental motivations) कदा भवति ?

(1) जनाः ग्रन्थं लेखितुं भाषां शिक्षन्ते।

(2) जनाः सेवानियोजनः इत्यादयः प्रयोजनवशात् भाषां शिक्षन्ते।

(3) जनाः मूलभाषाभाषिणां सामुख्यं लब्धुं भाषां शिक्षन्ते।

(4) जनाः स्वसमुदायानां धार्मिक-सामाजिक-प्रकायार्थं भाषां शिक्षन्ते।

138. कृपा-करणौ यमौ भ्रातारौ मणिपुरी भाषायाः एकया विशिष्ट उपभाषया वदतः। परन्तु तयोः वाचौ भिन्ने स्तः। उपभाषया स्व-स्वविशिष्टशैलीमनुसृत्य तयोः एवविध् सम्भाषणं किं कथ्यते ?

(1) मणिपुरी भाषा (2) निजभाषा (Idiolect)

(3) उपभाषा (Dialect) (4) वाक्कर्म (Speech act)

139. भारतीय संविधाने आङ्गल भाषायाः का स्थितिः वर्तते ?

(1) प्राधिकारिनिकायानां भाषा (Language of Statutory bodies)

(2) राजकीयभाषा (Official Language)

(3) सहराजकीयभाषा (Associate Official Language)

(4) वैदेशिक-भाषा

140. एका परीक्षा या छात्रविशेषस्य सबलाबलक्षेत्रे अवगन्तुं प्रयतते सा किं कथ्यते ?

(1) आकारिक-परीक्षा (Formative test) (2) वस्तुनिष्ठ-परीक्षा (Objective test)

(3) वैधता-परीक्षा (Validity test) (4) नैदानिक-परीक्षा (Diagnostic test)

141. अदिती: लिट्लकारस्य नियमान् जानाति किन्तु प्रसङ्गे तस्य प्रयोगे समर्था नास्ति। कीदृश् ज्ञानं तया धार्यते ?

(1) ज्ञानस्य-अनुप्रयोग: (Application of Knowledge)

(2) भाषा-अधिग्रहण युक्ति (Language acquisition device)

(3) प्रक्रियात्मकं ज्ञानम् (Procedural Knowledge)

(4) निर्णयात्मकं ज्ञानम् (Declarative Knowledge)

142. भाषा-विषये किं समीचीनं नास्ति ?

(1) काश्चिद भाषा: केवलं विज्ञान-अभियान्त्रिकीविषययो: अभिव्यक्ति: कुर्वन्ति।

(2) भाषया तादात्म्यस्य (Identity) अभिव्यक्ति: भवति।

(3) भाषा इतिहासस्य संग्राहिका भवति।

(4) भाषा मानवज्ञानं सम्पादयति।

143. भाषा कक्षायां परियोजना कार्यसम्पादन क्रमे यथाक्रमं सन्निविष्टानि चरणानि अधोलिखितेषु चित्वा लिखत -

(1) अध्यापक छात्रौ परियोजना कार्यमुद्दिश्य स्वमत्या आयोजनं, सम्पादनं च कर्तुं शक्यौ।

(2) समूह-निर्माणं, आयोजनं (Planning), तथ्य-संग्रहणं, तथ्य-व्याख्या, प्रारूप-लेखनं, प्रकरण-अभिज्ञानं, प्रारूपस्य अन्तिमरूप-प्रदानम्

(3) समूह-निर्माणं, प्रकरण-अभिज्ञानं (identifying the topic) आयोजनं, तथ्य-संग्रहणं, तथ्य-व्याख्या, प्रारूप-लेखनं, प्रारूपस्य अन्तिमरूप प्रदानम्।

(4) समूह-निर्माणं, प्रकरणस्य अभिज्ञानं, आयोजनं, तथ्य-संग्रहणं, प्रारूप-लेखनम्, तथ्य-व्याख्या, प्रारुपस्य अन्तिमरूपप्रदानम्

144. श्रवणस्य अधोगामि उपागमे (Top-down approach) किं सन्निविष्टं भवति ?

(1) प्रतिवर्ण-पद-पदांश-वाक्यांश-वाक्यस्यश्रवणम्

(2) विशिष्टविस्तारान् प्रति अवधानम्

(3) सम्भाषण-पाठ-श्रव्यस्य च सारश्रवणम्

(4) पाठ-सम्भाषण-श्रव्यस्य सामान्यसन्देशश्रवणम्

145. सप्तमकक्षाया: एक: अध्यापक: एकं व्यक्तिमुद्दिश्य विवरणं लिखितुं स्वछात्रान् कार्यं दातुं इच्छति। स: कक्षात: बहिरागच्छति एवं वस्तुपुटकस्य सहितं एकं आपणिकं समेत्य कक्षायां आगच्छति। अध्यापक: आपणिकं सप्तमिनटयावत् तत्रैव स्थातुं निवेदयति, तदनन्तरं स: छात्रान् युगलबद्ध: भूत्वा तत्व्यक्ते: विवरणं लेखितुं कथयति। अस्मिन् गतिविधौ आपणिक: कथंविध् ज्ञायते ?

(1) सामग्री

(2) शिक्षण-साहाय्यीभूत:

(3) एक: आपणिक:

(4) गतिविधौ एक: सहभागी

146. सप्तम कक्षाया: एक: अध्यापक: स्वछात्रान् पाठे चित्रित-जन-समुदायानां सत्ता-आत्मरूपस्य अवबोधपूर्वकं एकं लघुलेखं पठितुं निर्दिशति। एतद्द्वारा अध्यापक: छात्राणां मध्ये किं सम्वर्धयितुं प्रयतते ?

(1) साहित्यिक-कौशलम्	(2) भाषा-साक्षरता
(3) आलोचनात्मक-साक्षरता	(4) विश्लेषणात्मक-पठनम्

147. राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 2020 इत्यस्य अनुशंसितस्य श्रेण्यभाषाध्ययनस्य विषये अधोलिखितेषु किं सत्यम् ?

(1) श्रेण्यभाषाध्ययनं माध्यमिकस्तरे मुख्यभाषा रूपेण भवेत्।

(2) श्रेण्य (Classical) भाषाध्ययनं माध्यमिकस्तरे एक: अतिरिक्तविकल्प: भवेत्।

(3) श्रेण्यभाषाध्ययनं त्रिभाषासूत्रान्तरे एक: विकल्प: भवेत।

(4) श्रेण्यभाषाध्ययनं प्राक्-विद्यालयीयस्तरे भवेत्।

148. अयमेक: पाठ:। इमं पठित्वा अन्वेषयत यत् अयं पाठ: केन भाषा-पर्युक्तिना (Language Register) सम्बद्ध: अस्ति-

सहसा क्रान्ते: पश्चात्, एवंविध: परिवर्तन: सम्भावी प्रतीता। यूरोप-एशिया महादेशसहितं विश्वस्य अनेके भागे वैयक्तिक-अधिकारं समाजसत्तानियन्त्रकम् उद्दिश्य चर्चा: जाता:। भारतवर्षे राजाराममोहन राय: डेरोजियोमहोदयश्च फ्रान्सराजक्रान्तिमुद्दिश्य चर्चा कृतवन्तौ। उपनिवेशेषु घटनाचक्राणि समाजपरिवर्तनस्य एतान् विचारान् पुनर्निर्मितानि।

(1) क्रान्ति:-पर्युक्ति (Revolution register)

(2) वैज्ञानिक-पर्युक्ति (Science register)

(3) राजनीतिक-पर्युक्ति:

(4) समाज-विज्ञान-पर्युक्ति:

149. सुभाष, अष्टमकक्षाया: एक: अध्यापक: खेदं प्रकटयति यत् ''भाषा-आकलने सामान्यत:, ग्रहण-कौशलानि (Receptive Skills) आपेक्षित माहात्म्यं न दीयते'' ग्रहणकौशलेन तस्य कोऽभिप्राय ?

(1) सम्भाषणं, लेखनं च	(2) श्रवणं, लेखनं च
(3) सम्भाषणं, पठनं च	(4) श्रवणं, पठनं च

150. छात्रेण एतद् अवबुध्यते प्रयुज्यते च यत् भाषा तन्त्ररूपेण प्रवर्तते।

(1) प्रविधिमूलक-सामर्थ्यम् (Strategic competence)

(2) सम्प्रेषणात्मक-सामर्थ्यम् (Communicative competence)

(3) तन्त्रपरक-सामर्थ्यम् (Systemic competence)

(4) सामाजिक-भाषावैज्ञानिकसामर्थ्यम्

- o 0 o -

SPACE FOR ROUGH WORK

अवधानपूर्वकम् एते निर्देशाः मनसि धारणीया :

1. विभिन्नप्रश्नानाम् उत्तरं कथं प्रदेयमिति प्रश्नपत्रे व्याख्यातम् अस्ति। प्रश्नानाम् उत्तरलेखनात् पूर्वं तत् अवश्यं पठनीयम्।

2. प्रत्येकं प्रश्नार्थं चत्वारि वैकल्पिकोत्तराणि निर्दिष्टानि, तेषु समुचितोत्तरप्रदानार्थं OMR उत्तरपुस्तिकायाः **पृष्ठे-2** केवलम् एकमेव वृत्तं पूर्णरूपेण **नील (Blue/Black)**-बाल-पाइन्ट-लेखन्या प्रपूरणीयम्। एकवारम् उत्तरांकनादनन्तरं न तत्परिवर्तयितुं शक्यते।

3. परीक्षार्थिभिः OMR उत्तरपत्रं नैव तिर्यक्करणीयम्, न च कथंकारमपि तद् अन्यथाप्रकारेण अङ्कनीयम्। परीक्षार्थी स्वीयानुक्रमाङ्कं OMR उत्तरपत्रे निर्धारितस्थानातिरिक्तम् अन्यत्र कुत्रापि न लिखेत्।

4. परीक्षापुस्तिकायाः OMR उत्तरपत्रकस्य च प्रयोगः सावधानं करणीयः। कस्यामपि परिस्थितौ (केवलं तां परिस्थितिं विहाय यदा परीक्षापुस्तिकायाः OMR उत्तरपत्रस्य च सङ्केतके सङ्ख्यायां वा भिन्नता दृश्यते) द्वितीय-परीक्षापुस्तिका नोपलभ्या एव।

5. परीक्षापुस्तिकायाम् OMR उत्तरपत्रे च प्रदत्त-सङ्केतक-सङ्ख्या परीक्षार्थिभिः उपस्थितिपत्रके सम्यक्रीत्या अवश्यमेव लेखनीया।

6. ओ.एम.आर. (OMR) उत्तरपत्रिकायां कूटस्थ (Coded) सूचनानां पठनं यन्त्रद्वारा भविष्यति। अतः कापि सूचना असम्पूर्णा न स्यात्। तथैव प्रवेशपत्रस्यसूचनातः भिन्ना सूचना न प्रदेया।

7. प्रवेशपत्रं विहाय अन्य-मुद्रित-लिखित-पाठ्यसामग्री कर्गदचिटिकां 'पेजरम्' इति चलदूरभाषां, विद्युत्-उपकरणानि अथवा कामपि अन्यसामग्रीं परीक्षाभवनं कक्षं वा नेतुम् अनुमतिः न अस्ति।

8. परीक्षा गृहे/प्रकोष्ठे मोबाइलयन्त्रं वेतारसूचनायन्त्रं (स्वीच अफ कृत्वा अपि) अन्यानि च प्रतिबन्धितवस्तूनि नैव आनेतव्यानि। एतस्य नियमस्य उल्लङ्घनम् अनुचितमार्गावलम्बनम् इति विधास्यते यस्त कृते दण्डस्य विधानम् अस्ति। परीक्षातः निष्कासनम् अपि भवितुम् अर्हति।

9. निरीक्षणसमये परीक्षार्थिभिः प्रवेशपत्रं निरीक्षकाय अवश्यं दर्शनीयम्।

10. केन्द्र-अधीक्षकस्य निरीक्षकस्य वा अनुमतिं विना परीक्षार्थिभिः स्थानं न परित्यक्तव्यम्।

11. कार्यरतनिरीक्षकाय OMR उत्तरपत्रं दत्त्वा उपस्थितिपत्रके च हस्ताक्षरं पुनः कृत्वा एव परीक्षार्थिभिः परीक्षाभवनं कक्षं वा परित्यक्तव्यम् न अन्यथा। यदि केनापि परीक्षार्थिना उपस्थितिपत्रिकायां पुनः हस्ताक्षरं न क्रियते तर्हि 'परीक्षार्थिना OMR उत्तरपत्रकं न दत्तम्' इति अभिप्रायः। इदम् अनुचितसाधनानां प्रयोगस्य रूपम् इति मन्तव्यम्।

12. वैद्युत-हस्तचालित-परिकलकस्य उपयोगः सर्वथा वर्जितः।

13. परीक्षाभवने कक्षे वा अनुकूलाचरणाय परीक्षार्थिनः सङ्घटनस्य सर्वैः नियमैः विनियमैः वा नियमिताः। अनुचितसाधनानाम् उपयोगेन सम्बद्धाः निर्णयाः सङ्घटनस्य नियम-विनियम-अनुवर्तनीयाः एव।

14. कस्यामपि परिस्थितौ परीक्षापुस्तिकायाः OMR उत्तरपत्रकस्य वा कोऽपि भागः पृथक् न करणीयः।

15. **परीक्षासम्पन्नानन्तरं परीक्षार्थिनः परीक्षाभवन-परित्यजनात् पूर्वं OMR उत्तरपत्रं कक्षनिरीक्षकाय अवश्यमेव प्रदास्यन्ति। परीक्षार्थिनः इमाम् प्रश्नपुस्तिकां नेतुम् अनुमताः।**

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. जिस प्रकार से विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए जाने हैं उसका वर्णन परीक्षा पुस्तिका में किया गया है, जिसे आप प्रश्नों का उत्तर देने से पहले ध्यान से पढ़ लें।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह **नीले/काले बॉल पॉइन्ट पेन** से भरें। एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है।
3. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस OMR उत्तर पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ। परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक OMR उत्तर-पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें।
4. परीक्षा पुस्तिका एवं OMR उत्तर पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं OMR उत्तर पत्र के कोड या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी।
5. परीक्षा पुस्तिका/OMR उत्तर पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका कोड व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से उपस्थिति-पत्र में लिखें।
6. OMR उत्तर पत्र में कोडित जानकारी को एक मशीन पढ़ेगी। इसलिए कोई भी सूचना अधूरी न छोड़ें और यह प्रवेश-पत्र में दी गई सूचना से भिन्न नहीं होनी चाहिए।
7. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश-पत्र के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य-सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज़ की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
8. मोबाइल फोन, बेतार संचार युक्तियाँ (स्विच ऑफ अवस्था में भी) और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएँ परीक्षा हॉल/कक्ष में नहीं लाई जानी चाहिए। इस सूचना का पालन न होने पर इसे परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग माना जाएगा और परीक्षार्थी विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, परीक्षा रद्द करने सहित।
9. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-पत्र दिखाएँ।
10. केन्द्र अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें।
11. कार्यरत निरीक्षक को अपना OMR उत्तर पत्र दिए बिना एवं उपस्थिति-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल/कक्ष नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार उपस्थिति-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए, तो यह माना जाएगा कि उसने OMR उत्तर पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा। **परीक्षार्थी अपने बाएँ हाथ के अंगूठे का निशान उपस्थिति-पत्र में दिए गए स्थान पर अवश्य लगाएँ।**
12. इलेक्ट्रॉनिक/हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है।
13. परीक्षा हॉल/कक्ष में आचरण के लिए परीक्षार्थी परीक्षण संस्था के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं। अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला परीक्षण संस्था के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा।
14. किसी भी परिस्थिति में परीक्षा पुस्तिका और OMR उत्तर पत्र का कोई भाग अलग न करें।
15. **परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी हॉल/कक्ष छोड़ने से पूर्व OMR उत्तर पत्र निरीक्षक को अवश्य सौंप दें।** ***परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं।***

READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY :

1. The manner in which the different questions are to be answered has been explained in the Test Booklet which you should read carefully before actually answering the questions.
2. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with **Blue / Black Ball Point Pen** on **Side-2** of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
3. The candidates should ensure that the OMR Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the OMR Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the OMR Answer Sheet.
4. Handle the Test Booklet and OMR Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and OMR Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
5. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet/OMR Answer Sheet in the Attendance Sheet.
6. A machine will read the coded information in the OMR Answer Sheet. Hence, no information should be left incomplete and it should not be different from the information given in the Admit Card.
7. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the examination hall/room.
8. Mobile phones, wireless communication devices (even in switched off mode) and the other banned items should not be brought in the examination halls/rooms. Failing to comply with this instruction, it will be considered as using unfair means in the examination and action will be taken against the candidate including cancellation of examination.
9. Each candidate must show on demand his/her Admit Card to the Invigilator.
10. No candidate, without special permission of the Centre Superintendent or Invigilator, should leave his/her seat.
11. The candidates should not leave the Examination Hall/Room without handing over their OMR Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where candidate has not signed the Attendance Sheet second time will be deemed not to have handed over the OMR Answer Sheet and dealt with as an unfair means case. **The candidates are also required to put their left hand THUMB impression in the space provided in the Attendance Sheet.**
12. Use of Electronic/Manual Calculator is prohibited.
13. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Examining Body with regard to their conduct in the Examination Hall/Room. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Examining Body.
14. No part of the Test Booklet and OMR Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
15. **On completion of the test, the candidate must hand over the OMR Answer Sheet to the Invigilator in the Hall / Room.** ***The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.***